हारे का सहारा । By Amit Bansal

श्याम धणी आने में क्या देर लगाओगे इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

लिखा तेरे मंदिर पे हारे का सहारा इसी नाम से है बजता डंका तुम्हारा क्या तुम अपने नाम पे बाबा दाग लगाओगे इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

खींच कर के नैया तेरी चौखट पे लाया माझी बना कर तुझको नाव में बिठाया तुम जिस नैया में बैठे क्या उसे डुबाओगे इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

ये ना समझना खाली हारे हुए हैं जिस दिन से हारे बाबा तुम्हारे हुए हैं अब मेरी लाज नहीं ये तुम खुद की गवाओगे इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

बनवारी हार कान्हा डूबने का दर है किया मैंने तुझपे भरोसा टूटने का दर है तुम हो भरोसे लायक क्या ये दिन दिखलाओगे इतना समझ ले हारे हुए को और हराओगे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-we0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%be-by-amit-bansal-2/